::विषय सूची ::

- ❖ **घोषणा (DECLARATION)** I
- ❖ **प्रमाण-पत्र (CERTIFICATE)** II
- ❖ **सारांश** III
- ❖ **प्राक्कथन** VIII
- ❖ **विषय सूची** XIV
- ❖ **संकेत-सूची** XVII
- ❖ **प्रथम अध्याय : आदिवासी समाज : अस्मिता का परिप्रेक्ष्य** 1

1.1. अस्मिता:तात्पर्य एवं स्वरूप
1.1.1. अस्मिता का तात्पर्य
1.1.2. स्वरूप
1.1.2.1 'विमर्श'- तात्पर्य
1.1.2.1.1. अस्मिता विमर्श
1.1.2.1.2. स्त्री अस्मिता
1.1.2.1.3. दलित अस्मिता
1.1.2.1.4. आदिवासी अस्मिता
1.1.2.1.5. धार्मिक अस्मिता
1.1.2.1.6. राजनीतिक अस्मिता
1.1.2.1.7. आर्थिक अस्मिता
1.1.2.1.8. सामाजिक अस्मिता
1.2. आदिवासी समाज: अवधारणा, इतिहास और संरचना
1.2.1 आदिवासी समाज की अवधारणा
1.2.2. आदिवासी समाज का इतिहास
1.2.3. आदिवासी समाज की संरचना
1.2.3.1. भौगोलिक संरचना

1.2.3.2. आर्थिक संरचना
1.2.3.3. राजनीतिक संरचना
1.2.3.4. सामाजिक संरचना
1.2.3.5. सांस्कृतिक संरचना
1.2.3.5.1. (क) पितृसत्तात्मक आदिवासी समाज
1.2.3.5.1. (ख) मातृसत्तात्मक आदिवासी समाज
1.2.3.5.2. सामाजिक-सांस्कृतिक लोकाचार
(क) विवाह
(ख) त्योहार
1.3 विकास की अवधारणा और आदिवासी समाज का सच
1.3.1. आदिवासी अस्मिता का आविर्भाव
1.3.2. स्वानुभूति-सहानुभूति
1.4. वर्तमान समय में आदिवासी अस्मिता चिंतन

❖ **द्वितीय अध्याय : आदिवासी जीवन के सन्दर्भ में हिन्दी उपन्यासों की विकास-यात्रा 66**

2.1 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी-जीवन
2.2 समकालीन हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी-जीवन

❖ **तृतीय अध्याय : समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी अस्मिता का प्रश्न 108**

3.1 आदिवासी अस्मिता और हिन्दी उपन्यास
3.2 आदिवासी अस्मिता के परिप्रेक्ष्य में समकालीन हिन्दी उपन्यास का अध्ययन

❖ **चतुर्थ अध्याय: समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी जीवन का समाजार्थिक और सांकृतिक पक्ष 155**

4.1 समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी जीवन की सामाजिक मान्यताएँ
4.2 समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी समाज का आर्थिक पक्ष
4.3 समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी जीवन की धार्मिक मान्यताएँ

4.4 समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी जीवन की सांस्कृतिक मान्यताएँ

❖ **पंचम अध्याय : समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी विद्रोह का संदर्भ** **201**

5.1 आदिवासी जीवन और राजनीति

5.2 इतिहास के आइने में आदिवासी विद्रोह के नायक

5.3 समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी विद्रोह के संदर्भ

❖ **षष्ठ अध्याय: समकालीन हिन्दी उपन्यास में आदिवासी जीवन के बरअक्स पर्यावरण चिंता** **238**

6.1. पर्यावरण क्या है?

6.2. वर्तमान समय में पर्यावरण चिन्ता के निहितार्थ

6.3. पर्यावरण चिन्ता और पारिस्थितिकी

6.4. आदिवासी जीवन में पर्यावरण का महत्व

6.5. आदिवासी जीवन पर केंद्रित समकालीन उपन्यासों में पर्यावरण चिंता का संदर्भ

❖ **उपसंहार** **275**

❖ **पुस्तक-सूची** **284**

आधार ग्रंथ सूची

संदर्भ ग्रंथ-सूची

आलोचनात्मक ग्रंथ-सूची

पत्र-पत्रिकाएँ

❖ **लेखकानुक्रमणिका** **302**

❖ **रचनानुक्रमणिका** **305**

❖ **परिशिष्ट** **307**